बाबोसा के चरणों में खुशियों का डेरा है लिरिक्स

बाबोसा के चरणों में,
खुशियों का डेरा है,
इनके द्वारे चारो ओर,
देखो परियों का पहरा है,
बाबोसा के चरणों मे,
खुशियों का डेरा है।**bd।**

तर्ज – एक प्यार का नगमा है।

जहाँ स्वर्ग सी मस्ती है,
वो चुरू की धरती है,
इस दर पे हवाएं भी,
बड़े अदब से चलती है,
हरियाली मन मोहे,
लागे अम्बर सुनहरा है,
इनके द्वारे चारो ओर,
देखो परियों का पहरा है,
बाबोसा के चरणों मे,
खुशियों का डेरा है।**bd।**

जिस धरती पे आने को,
देव देवी तरसते है,
इस कलयुग में जिसको,
चुरूधाम कहते है,
इस धरती के कण कण में,
बाबा का बसेरा है,
इनके द्वारे चारो ओर,
देखो परियों का पहरा है,
बाबोसा के चरणों मे,
खुशियों का डेरा है।**bd।**

श्री बाबोसा के द्वारे,
एक बार जो जाता है,
दुनिया को भूल के ‘धर्म’,
इनका हो जाता है,
‘दिलबर’ इनका रिश्ता,
सागर से भी गहरा है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

इनके द्वारे चारो ओर,
देखो परियों का पहरा है,
बाबोसा के चरणों मे,
खुशियों का डेरा है।**bd**।

बाबोसा के चरणों में,
खुशियों का डेरा है,
इनके द्वारे चारो ओर,
देखो परियों का पहरा है,
बाबोसा के चरणों मे,
खुशियों का डेरा है।**bd**।

गायक – धर्मेन्द्र जैन।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया ‘दिलबर’।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com